

साफ्टवेयर के जरिये अफसरों के कामकाज पर निगाह रखेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : हरियाणा के लोगों को समयबद्ध सरकारी सेवाएं



मनोहर लाल। P3
जागरण आर्काइव

उपलब्ध कराने वाले अधिकारियों की खैर नहीं। सरकार जनता के काम के प्रति लापरवाह अधिकारियों के प्रति कड़े

से कड़ा रुख अपनाने जा रही है। जो अधिकारी लोगों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध नहीं कराएंगे, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। जो अधिकारी तय समय सीमा से पहले लोगों को काम कर राहत पहुंचाएंगे, उन्हें सरकार पुरस्कार भी देगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को आटो अपील साफ्टवेयर (आस) का लोकार्पण किया है। इसके तहत यदि कोई अधिकारी जनता की शिकायत का समाधा निर्धारित समय सीमा में नहीं करेगा तो उसकी आटो अपील ऊपर के अधिकारी के पास पहुंच जाएगी। इसकी सूचना उस अधिकारी के पास भी अपने पास पहुंचेगी, जिसने निर्धारित समय अवधि में काम नहीं किया है। यदि दूसरे स्टैप पर भी काम नहीं हुआ तो तीसरे व तीसरे से चौथे स्टैप पर बैठे अधिकारियों के पास आटोमेटिक सिस्टम के जरिये शिकायतों जाती रहेंगी। इसकी मानीटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी करेंगे।

सीएम मनोहर लाल ने लांच किया आटो अपील साफ्टवेयर, निर्धारित समय अवधि में सुनवाई न हुई तो खुद ही ऊपर पहुंच जाएगी अपील

मुख्यमंत्री ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने व निर्धारित समय अवधि में लोगों को सेवाएं देने की मंशा के साथ इस साफ्टवेयर का लोकार्पण किया है। जिला उपायुक्तों से कहा गया है कि लोगों को इस साफ्टवेयर के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूक बनाया जाए। हरियाणा सरकार के सेवा के अधिकार आयोग के माध्यम से यह सेवा प्रदान की जा रही है। रिटायर्ड आइएएस अधिकारी टीसी गुप्ता इस आयोग के मुख्य आयुक्त हैं। सीएम ने सूचना प्रौद्योगिकी को नए तरीके से परिभाषित करते हुए कहा कि आज के दौर में आइटी की सही परिभाषा इमिजिएट ट्रांसफारमेशन यानी तुरंत बदलाव है। हमें हैपिनेस इंडेक्स (खुशी के सूचकांक) की तरफ कदम बढ़ाने हैं। आइटी का इस्तेमाल कर 'इज आफ लिविंग' अर्थात प्रदेश के आम आदमी के जीवन में सरलता लाना सरकार का उद्देश्य है। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को उसके घर-द्वार पर सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के मकसद में यह साफ्टवेयर काफी मददगार साबित होगा।